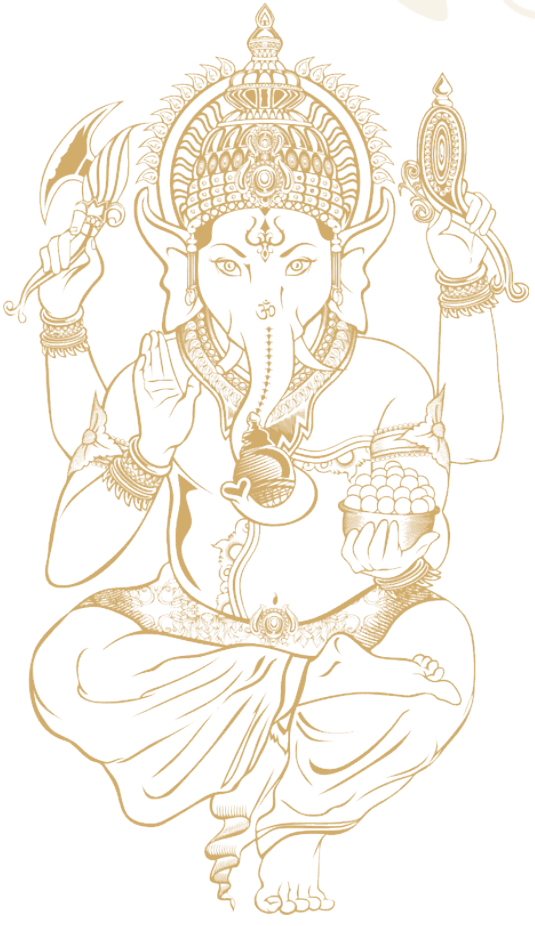

Yogesh Joshi

Pooja Upadhyay

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119242408

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30-31/03/1997 :	जन्म तिथि	: 19/05/2003
रवि-सोमवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 02:40:00 :	जन्म समय	: 12:36:00 घंटे
घटी 50:39:09 :	जन्म समय(घटी)	: 17:02:29 घटी
India :	देश	: India
Ratlam :	स्थान	: Maheshwar
23:18:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:11:00 उत्तर
75:06:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:27:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:24:20 :	सूर्योदय	: 05:46:40
18:44:38 :	सूर्यास्त	: 19:01:11
23:49:06 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:54:00

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 7मा 15दि		05:46:24	मक	लग्न	सिंह	07:20:21	शुक्र 13वर्ष 8मा 8दि	
सूर्य		16:22:58	मीन	सूर्य	वृष	04:00:39	चन्द्र	
14/11/2021		04:31:15	धनु	चंद्र	धनु	17:32:26	25/01/2023	
15/11/2027		27:52:05	सिंह व	मंगल	मक	21:52:58	25/01/2033	
सूर्य	04/03/2022	03:41:57	मेष	बुध व	मेष	17:15:46	चन्द्र	26/11/2023
चन्द्र	03/09/2022	20:59:31	मक	गुरु	कर्क	17:08:27	मंगल	26/06/2024
मंगल	09/01/2023	15:41:49	मीन	शुक्र	मेष	09:32:37	राहु	26/12/2025
राहु	03/12/2023	16:25:28	मीन	शनि	मिथु	04:09:45	गुरु	27/04/2027
गुरु	20/09/2024	04:50:20	कन्या व	राहु	वृष	05:33:55	शनि	25/11/2028
शनि	02/09/2025	04:50:20	मीन व	केतु	वृश्चि	05:33:55	बुध	27/04/2030
बुध	10/07/2026	14:05:34	मक	हर्ष	कुंभ	08:46:24	केतु	26/11/2030
केतु	15/11/2026	05:51:29	मक	नेप व	मक	19:17:00	शुक्र	26/07/2032
शुक्र	15/11/2027	11:38:41	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:15:44	सूर्य	25/01/2033

लग्न-चलित

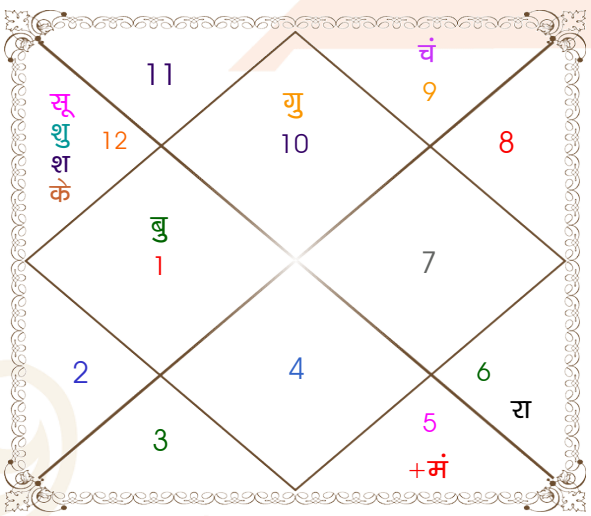

लग्न-चलित

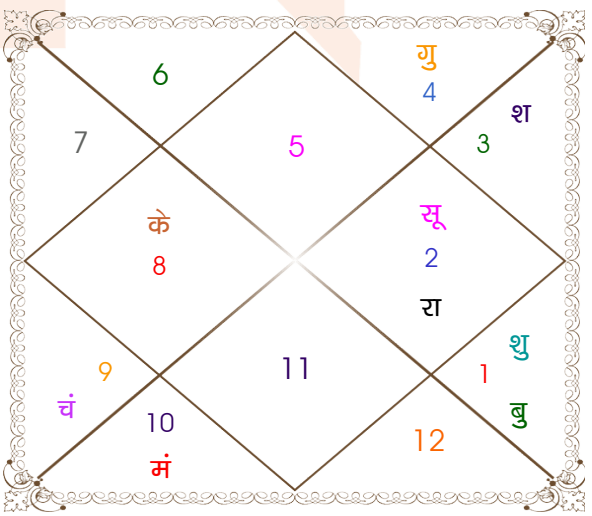

Jyotishacharya Himanshu Tiwari
Ambikapur
9981268133
himanshu.tiwariom@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ल्वहमेी श्रवेीप का वर्ग मृग है तथा च्ववरं न्वंकीलंल का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ल्वहमेी श्रवेीप और च्ववरं न्वंकीलंल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ल्वहमेी श्रवेीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

च्ववरं न्वंकीलंल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्ववरं न्वंकीलंल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ल्वहमेी श्रवेीप तथा च्ववरं न्वंकीलंल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Jyotishacharya Himanshu Tiwari
Ambikapur
9981268133
himanshu.tiwariom@gmail.com